विद्या भारती संकुल संवाद

जून 2025
ज्येष्ठ – आषाढ़
विक्रमी संवत 2082

“सा विद्या या विमुक्तये”

विद्या भारती की वार्षिक पत्रकार वार्ता

मूल्य-आधारित और समावेशी शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण

विशेष

- संस्कृति बोध परियोजना की अखिल भारतीय कार्यगोष्ठी
- पंचपदी शिक्षण पद्धति प्रशिक्षण कार्यशाला
- विद्या भारती मानक परिषद् की डेमो असेसमेंट बैठक
- गोविंद नगर को मिला "सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केंद्र" पुरस्कार
- छात्रावास का लोकार्पण
- योग दिवस-झलकियाँ

विद्या भारती की वार्षिक पत्रकार वार्ता

मूल्य-आधारित और समावेशी शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण

दिल्ली | 20 जून 2025 | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान ने स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में अपनी वार्षिक राष्ट्रीय प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस वार्ता में अ.भा. अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे, महामन्त्री श्री देशराज शर्मा, उपाध्यक्ष श्री अवनीश भटनागर और प्रचार संयोजक डॉ. रामकुमार भावसार ने विद्या भारती की विशिष्ट गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया।

डॉ. रविंद्र कान्हेरे ने कहा कि आज विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान देश के सबसे बड़े शैक्षणिक आंदोलनों में से एक है, जो गुणवत्तापूर्ण (गुणात्मक) और संस्कृति-युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। आज देश के 684 जिलों में 12,118 विद्यालयों एवं 8,000 से अधिक अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों का संचालन कर रही है, जो समाज के वंचित वर्ग को नि:शुल्क शिक्षा सुविधा प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में 1.53 लाख से अधिक आचार्यों के मार्गदर्शन मे 35.33 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं।

पूर्व छात्रों के बारे में बताते हुए डॉ. कान्हेरे ने कहा कि विद्या भारती के 10 लाख 30 हजार से अधिक पूर्व छात्र इसके पोर्टल पर पंजीकृत हैं, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा पूर्व छात्र संगठन बन गया है। ये पूर्व छात्र 87 से अधिक देशों में रहकर विविध क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं और अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान प्राप्त सेवा, संस्कृति और प्रतिबद्धता के मूल्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।

मूल्याधारित शिक्षा को आधुनिक तकनीकी दृष्टिकोण से जोड़ने में विद्या भारती की विशेषता है। हमारे विद्यालयों में AI- सक्षम लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म, डिजिटलक्लासरूम अपनाए जा रहे हैं और यह सब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अनुरूप है।

वर्तमान में, 507 से अधिक विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब्स की स्थापना की जा चुकी है, जो AI, Robot, Coding और अन्य उभरती तकनीकों में बच्चों को हाथों-हाथ सीखने का अवसर देती हैं। वैश्विक STEM मानकों की दिशा में कार्य करते हुए भी संस्था का नैतिक मानदंड भारतीय दर्शन द्वारा निर्धारित होता है।

हमारे आईटीआई, जन शिक्षण संस्थान और स्किल हब जैसे व्यावसायिक शिक्षा के केंद्र जनजातीय और ग्रामीण युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान करते हैं। कारगिल (लद्दाख), शिमला और मंडी (हिमाचल प्रदेश), और किफिरे (नागालैंड) जैसे दुर्गम क्षेत्रों में इन केंद्रों की स्थापना की गई है।

विशेष शिक्षा गतिविधि में विद्या भारती सैनिक विद्यालय, सीमा क्षेत्र विद्यालय और आवासीय जनजातीय विद्यालय भी संचालित करती है ताकि कोई भी क्षेत्र शिक्षा से वंचित न रह जाए। भारतीय शिक्षा शोध संस्थान (लखनऊ) और समर्थ भारत अनुसंधान केंद्र (गांधीधाम, गुजरात) जैसे संस्थान भारतीय ज्ञान परंपराओं पर आधारित पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि मानक परिषद (भोपाल) पूरे देश में स्कूलों की गुणवत्ता के मानकीकरण एवं उन्नयन का कार्य कर रही है।

अखिल भारतीय आयोजनों में राष्ट्रीय विज्ञान मेले, गणित ओलंपियाड, खेल प्रतियोगिताओं आदि में भी हमारे छात्रों ने लगातार प्रथम स्थान प्राप्त किए हैं।

विद्यालय से अखिल भारतीय स्तर तक आयोजित विज्ञान मेला, सांस्कृतिक कला पर्व, खेल, वैदिक गणित, कम्प्युटर विषयों के कार्यकर्मों से जहां गुणवत्ता, रुचि, नवाचार को बढ़ावा मिलता है, वहीं राष्ट्रीय एकात्मता, परम्पराओं का आदान-प्रदान तथा मिलजुल कर कार्य करने की भावना का विकास होता है।

अभी तक प्राप्त सूचनाओं के आधार पर इस वर्ष UPSC परीक्षा में 27 से अधिक पूर्व छात्रों ने सफलता प्राप्त की है श्री प्रकाश यादव (प्रयागराज), श्री विभोर सारस्वत (शिकारपुर, बुलंदशहर, यूपी) और श्री ऋषभ चौधरी (गरोठ, मध्य प्रदेश) ने टॉप 50 में स्थान प्राप्त किया। यह सब प्रमाणित करता है कि जन साधारण की मूल्याधारित शिक्षा भी वैश्विक मानकों से कहीं अधिक बेहतर परिणाम दे रही है।

विजन 2047 और पंच परिवर्तन की चर्चा करते हुये बताया विद्या भारती का भावी रोडमैप पंच परिवर्तन के

पाँच उद्देश्यों द्वारा निर्देशित है:

सामाजिक समरसता – जाति, वर्ग और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता और एकता को बढ़ावा देना विद्या भारती का मुख्य उद्देश्य है। यह संगठन सभी सामाजिक वर्गों के लिए शिक्षा को सुलभ और समावेशी बनाने के लिए कार्य करता है। जनजाति, ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में कम शुल्क वाले विद्यालयों की स्थापना के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी बच्चा आर्थिक या सामाजिक बाधाओं के कारण शिक्षा से वंचित न रह जाए।

कुटुंब प्रबोधन – परिवार शिक्षा केन्द्र की एक इकाई है। उनके प्रबोधन से भारतीय परिवार को मूल्यों, भावनात्मक स्थिरता और नागरिक शिक्षा का केंद्र बनाना आवश्यक है। विद्या भारती की भारतीय परंपराओं पर आधारित मूल्य-आधारित शिक्षा के माध्यम से यह संभव हो रहा है । शिशु वाटिका की गतिविधियाँ और मातृ-पितृ पूजन, अभिभावक संपर्क जैसे कार्यक्रम पारिवारिक संबंधों को मजबूत करते हैं और बच्चों में आदर, प्रेम व जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं।

पर्यावरण संरक्षण – 2024–25 में ठोस परिणाम देखने को मिले। 5.2 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया गया, 1,827 स्कूलों में जल संरक्षण के प्रयास हुए, 3,939 स्कूलों में ऊर्जा बचत गतिविधियाँ चलाई गईं, और 2,790 स्कूलों में कचरा प्रबंधन अभियान चलाए गए। छात्रों और आचार्यों ने मिलकर 1,643 स्कूलों में इको-क्लब का नेतृत्व किया, 1,209 औषधीय बग़ीचे तैयार किए, और 3,408 स्कूल परिसरों को हरित एवं पॉलीथीन मुक्त घोषित किया गया।

नागरिक कर्तव्य बोध - विद्यालयों की दैनंदिन गतिविधियों में अपने संवैधानिक कर्तव्यों को जीवन व्यवहार में लाने हेतु अभ्यास किया जाता है। नियमों का पालन, राष्ट्रीय मानबिन्दुओं का सम्मान, बड़े बुजुर्गों की सेवा, स्वच्छता, राष्ट्रीय संपत्ति का संरक्षण आदि यह सब गतिविधियां इस कार्य का आधार है।

स्व - भारतीय भाषाओं, संस्कृति और लोक ज्ञान के माध्यम से आत्म-चेतना का विकास हमारे विद्यालयों की विशेषता है। संस्कृत शिक्षण और भारतीय ज्ञान प्रणाली का समावेश छात्रों को अपनी जड़ों से जोड़ता है। दूसरी ओर, कौशल विकास केंद्र, ITI और जन शिक्षण संस्थान युवाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। आत्म पहचान + कौशल विकास = आत्म निर्भरता, यह सूत्र हमारे विद्यार्थियों में उद्यमिता एवं चरित्र निर्माण का कार्य करता है।

नारी सम्मान – बालिकाओं और महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और नेतृत्व की भूमिकाओं के साथ सशक्त बनाना विद्या भारती का एक प्रमुख लक्ष्य है। कुल 34,75,757 विद्यार्थियों में से 14,41,601 बालिकाएँ हैं। परिवार में महिला की विशेष भूमिका को ध्यान में रखते हुए, विद्या भारती बालिका शिक्षा पर विशेष बल देती है। माँ-बेटी संवाद, किशोरी परामर्श, और आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसे मंचों के माध्यम से संगठन भारतीय मूल्यों पर आधारित समग्र सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है।

विद्या भारती विद्यार्थियों को ज्ञानवान, चरित्रवान, प्रखर राष्ट्रभक्त बनाने में सतत सक्रिय रहने के साथ ही देश की आपदा की किसी भी परिस्थिति में सहयोग के लिए तत्पर रहा है। विद्या भारती शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय पुनर्जागरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। हम समाज के सभी वर्गों से आह्वान करते हैं कि वे इस प्रयास में सहभागी बनें, जिससे राष्ट्र की आवश्यकता के अनुसार व्यक्तियों का निर्माण हो और राष्ट्र विकसित और आत्मनिर्भर बने।

संस्कृति बोध परियोजना की अखिल भारतीय कार्यगोष्ठी

विद्यालय स्तर तक लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करें : देशराज शर्मा

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के तत्वाधान में संस्कृति बोध परियोजना के क्षेत्र, प्रांत संयोजकों एवं सह-संयोजकों की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यगोष्ठी, 25 जून 2025, में विद्या भारती के महामंत्री देशराज शर्मा जी ने कहा कि विद्या भारती का चिंतन मानवीय मूल्यों के आधार पर भारत के गौरवशाली इतिहास को उजागर करना, अपनी प्राचीन संस्कृति को बनाए रखकर युगानुकूल बनाना है। विश्व के कल्याण की भारत की जो सोच है, यह हमारे इस विषय में इतनी बड़ी मात्रा में झलकती है कि बाकी सारे विषय गौण हो जाते हैं। संस्कृति बोधमाला की पुस्तकों का अध्ययन करने पर गौरव की अनुभूति होती है। उन्होंने प्रतिभागियों को क्षेत्र, प्रांत से विद्यालय स्तर तक लक्ष्य निर्धारित कर लिखित कार्ययोजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने को कहा।

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी ने कहा , हमारा अभियान मनुष्य को मनुष्य बनाना है। मनुष्य होना है तो 'मैं' से अलग हटना पड़ेगा। हम साधना के द्वारा स्वयं धीरे-धीरे व्यक्तिगत आसक्तियों को छोड़ते हुए शुद्ध समाजसेवा की ओर जा सकते हैं।

ज्ञान की आंधी आती है तो हमारी सारी आसक्तियां समाप्त हो जाती हैं। मैं ही ठीक हूं दूसरा गलत है, यह भाव जहां होगा, भक्ति होगी, वहां आ ही नहीं सकता। यह काम मेरा दायित्व है, इसे मुझे करना ही है। इस उत्साह से समन्वित होकर जब हम समाज में जाएंगे तो कार्य को ठीक से कर पाएंगे।

कार्यगोष्ठी में 80 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

शारीरिक विभाग की राष्ट्रीय बैठक

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती की शारीरिक विभाग की राष्ट्रीय बैठक कुरुक्षेत्र हरियाणा में संपन्न हुई। बैठक में अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द महंत जी, सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकर जी, शारीरिक शिक्षा के प्रभारी गोविन्द जी (जयपुर), शारीरिक शिक्षा संयोजक दुर्ग सिंह जी राजपुरोहित सहित सभी क्षेत्रों एवं प्रांतों के संयोजक सम्मिलित हुए।

पर्यावरण कार्यशाला

चंडीगढ़। दो दिवसीय क्षेत्रीय पर्यावरण कार्यशाला NITTTR सेक्टर-26, चंडीगढ़, दिनाँक 10 से 11 जून, में आयोजित की गई। पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया जी और NITTTR के प्रशासक का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विद्या भारती के महामंत्री देशराज शर्मा जी, उत्तर क्षेत्र के सह संगठन मंत्री बाल किशन जी, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार अत्री जी एवं उत्तर क्षेत्र के पर्यावरण विषय के संयोजक ओम प्रकाश जी उपस्थित रहे।

प. उत्तर प्रदेश क्षेत्र- मथुरा

चिकित्सा परामर्श शिविर

वृंदावन। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद, मथुरा की ओर से परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर वृंदावन में नि:शुल्क साप्ताहिक चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजिन किया गया। उद्घाटन अवसर पर अखिल भारतीय सह संयोजक श्री राहुल सिंघल जी, क्षेत्रीय संयोजक पश्चिम उत्तर प्रदेश डॉ. जयंत शर्मा, प्रांत संयोजक रविकांत चावला, प्रांत संगठन मंत्री श्री हरिशंकर जी, प्रांत सहसंयोजक श्री शिवेन्द्र गौतम और श्री उत्कर्ष गर्ग आदि उपस्थित रहे। शिविर में प्रख्यात न्यूरो सर्जन डॉ. प्रेमपाल भाटी, फिजिशियन डॉ. राहुल सिसोदिया और डेंटिस्ट डॉ. गोविंद पांडे जी ने चिकित्सकीय परामर्श दिया।

उत्तर पूर्व क्षेत्र- झारखंड

छात्रावास का लोकार्पण

गुमला। शिक्षा के माध्यम से समाज सेवा में संलग्न सूरत के मातुश्री काशीबा हरिभाई में गोटी ट्रस्ट ने विद्या भारती झारखंड के रायडीह (गुमला) स्थित विंदेश्वरी लाल सरस्वती विद्या मंदिर में एक छात्रावास का निर्माण कराया है।

इस छात्रावास का लोकार्पण झारखंड के राज्यपाल महामहिम संतोष गंगवार जी ने किया तथा उन्होंने विद्या भारती द्वारा शिक्षा के माध्यम से समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

पूर्वोत्तर क्षेत्र - असम

शिशु शिक्षा समिति असम की वार्षिक बैठक

असम। विद्या भारती से संबद्ध शिशु शिक्षा समिति असम की वार्षिक बैठक 15 जून को शंकरदेव शिशु निकेतन और देबेंद्र-चंद्रप्रभा विद्या निकेतन, नलबाड़ी में आयोजित की गई। समिति के महासचिव जगन्नाथ राजबंशी ने वार्षिक बैठक में प्रस्ताव और रिपोर्ट प्रस्तुत की। शिशु शिक्षा समिति असम के मुख्य सलाहकार और विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ पवन तिवारी ने एक नए होजाई विभाग के गठन की घोषणा की और कहा कि जिला केंद्रों को सशक्त बनाने की जरूरत है। शिक्षा क्षेत्र में अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए शिशु वाटिका को प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

शांतिराम ठाकुरिया, भवेन तालुकदार, कबीराम बर्मन, योगेश चंद्र नाथ और रजनी शर्मा को शिशु शिक्षा समिति और शिक्षा के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बैठक में असम राज्य स्कूल शिक्षा परिषद के अध्यक्ष रमेश चंद जैन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सचिव डॉ जगदींद्र रायचौधरी, प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव जोगेश काकती, शिशु शिक्षा समिति असम की उपाध्यक्ष अनिमा शर्मा, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के वरिष्ठ सदस्य योगेंद्र सिंह सिसोदिया आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती ने की। मातृभाषा में शिक्षा प्रदान कर असम के शैक्षिक जगत में नवजागरण लाने में शिशु शिक्षा समिति सक्षम हुई है। इसका साक्ष्य असम में स्थापित 529 शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन हैं।

प्रदेशिका प्रधानाचार्य सम्मेलन

भारत केंद्रित शिक्षा में विद्या भारती का बड़ा योगदानः धर्मेंद्र प्रधान

विद्या भारती ने वर्षों से ओडिशा में भारत केंद्रित शिक्षा व्यवस्था खड़ी करने में महत्वपूर्ण योगदान किया है। सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों की भारतीय मूल्यों पर आधारित गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने में भूमिका अतुलनीय है।

कटक। कटक जिले में स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में विद्या भारती और शिक्षा विकास समिति द्वारा आयोजित "प्रदेशिका प्रधानाचार्य सम्मेलन" के समापन समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने कहा कि शिशु मंदिर ओडिशा शिक्षा विभाग की नब्ज के समान हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत विरोधी मानसिकता को बदलना और स्वतंत्र मानसिकता को विकसित करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा सहित सभी भारतीय भाषाओं में पढ़ाने पर बल दिया गया है। मातृभाषा में अध्ययन करने से छात्रों का बौद्धिक विकास, आलोचनात्मक सोच और शोध क्षमता बढ़ती है।

सम्मेलन में विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कन्हेरे, संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र महंत, क्षेत्र संगठन मंत्री श्री आनंद राव सहित ओडिशा प्रांत से 1100 से अधिक प्रधानाचार्य सम्मिलित हुए।

पंचपदी शिक्षण पद्धति प्रशिक्षण कार्यशाला

भुवनेश्वर। विद्या भारती पूर्व क्षेत्र ने चार दिवसीय पंचपदी शिक्षण पद्धति प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें कक्षा शिक्षण में पाठ योजना, पंचपदी शिक्षण पद्धति के पांच पदों (अधिति, बोध, अभ्यास, प्रयोग, प्रसार) द्वारा प्रस्तुति, प्रदर्शन, संवाद, मूल्यांकन और पुनर्बलन पर केंद्रित प्रशिक्षण दिया गया।

पंचपदी पद्धति का उद्देश्य शिक्षण को अधिक प्रभावी, छात्र-केंद्रित और समग्र बनाना है। ओडिशा प्रांत के मास्टर ट्रेनर, अखिल भारतीय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों ने शिक्षकों को कक्षा प्रबंधन, छात्रों की रुचि बढ़ाने और शिक्षण में नवीन तकनीकों का प्रयोग करने के तरीके बताए।

समापन समारोह में विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र महंत ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे पंचपदी पद्धति को कक्षाओं में लागू करें ताकि शिक्षा अधिक रोचक और प्रभावी बनाया जा सके।

कार्यशाला में ओडिशा, सिक्किम, उत्तर और दक्षिण बंगाल के प्रधानाचार्य व आचार्यों सहित 73 प्रतिभागियों ने सहभाग किया।

मध्य क्षेत्र -भोपाल

विद्या भारती मानक परिषद् की डेमो असेसमेंट बैठक

भोपाल। विद्या भारती मानक परिषद् की डेमो असेसमेंट बैठक (SESQ न्यू वर्जन 2.0 सॉफ्टवेयर) 22 जून को विद्या भारती मानक परिषद् अक्षरा, भोपाल में सम्पन्न हुई। SESQ न्यू वर्जन 2.0 सॉफ्टवेयर में नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार लर्निंग ऑब्जेक्ट, लर्निंग आउटकम, लर्निंग मैटेरियल्स, स्ट्रैटेजी और इंटीग्रेशन के साथ शिशु वाटिका की 12 शैक्षिणक व्यवस्था, प्रयत्नशील और प्रभावी शिशु वाटिका एवं पंचपदी में अधिति, बोध, अभ्यास, प्रयोग और प्रसार का समावेश करते हुए ऑनलाइन असेसमेंट के अंतर्गत देशभर से 10 मॉडल विद्यालयों को ऑनलाइन रिपोर्ट जेनरेट करने और रिपोर्ट में मार्क्स देने आदि की ट्रेनिंग दी गई।

समापन सत्र में विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र महंत ने कहा कि प्रथम क्रम में SESQ न्यू वर्जन 2.0 सॉफ्टवेयर से असेसर्स को अपडेट कराना होगा। मानक परिषद् के अखिल भारतीय संयोजक श्री राकेश शर्मा ने 10 विद्यालयों से आए फीडबैक का प्रतिवेदन किया। संगठन मंत्री जी ने SMF-SESQ के संरक्षक शांतिलाल जी मुत्था, मास्टर ट्रेनर सुश्री मीनल दसपुत्रे (संयोजक, SMF-SESQ, पुणे) एवं श्री केदार तापीकर सॉफ्टवेयर ट्रेनर, SMF-SESQ, पुणे का आभार व्यक्त किया।

मध्य क्षेत्र -जबलपुर

गोविंद नगर को मिला "सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केंद्र" पुरस्कार

National Academy of Agricultural Sciences

Certificate

NAAS – Dhanuka Awards for Excellence in Agricultural Extension 2025

Best KVK Zonal Award
ATARI, Zone IX, Jabalpur

presented to

KVK-Govindnagar, Madhya Pradesh

June 5, 2025

(Himanshu Pathak)
President

National Academy of Agricultural Sciences, NASC, DPS Marg, New Delhi-110 012

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी नई दिल्ली द्वारा "कृषि विस्तार में उत्कृष्टता" के लिए दिया जाने वाला NAAS-धानुका पुरस्कार 2025 कृषि विज्ञान केंद्र, गोविंदनगर, नर्मदापुरम को "सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केंद्र – आई.सी.ए.आर. अटारी, जोन - IX, जबलपुर" के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान अकादमी के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु पाठक द्वारा प्रदान किया गया। पुरस्कार समारोह के अवसर पर न्यास के प्रबंधक श्री धर्मेन्द्र गुर्जर एवं कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह पुरस्कार कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर द्वारा किसानों के बीच आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार, नवाचार, प्राकृतिक खेती और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ ग्रामीण विकास हेतु किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। इस उपलब्धि से क्षेत्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है।

दक्षिण क्षेत्र- केरल

इनोवेशन प्रोजेक्ट में चयन

केरल। विद्या भारती केरल प्रांत के भारतीय विद्या निकेतन विद्यालयों को नीति आयोग की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सरस्वती विद्या निकेतन और पलक्काड व्यास विद्यापीठ को श्रेष्ठ 1000 स्कूल इनोवेशन प्रोजेक्ट में चयनित किया गया।

हैदराबाद में कार्यशाला

तेलंगाना | विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र के तत्वावधान में हैदराबाद (तेलंगाना) में पंचपदी शिक्षण प्रणाली पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में आये मास्टर्स ट्रेनर को विद्या भारती के क्षेत्र संगठनमंत्री श्री सुधाकर रेड्डी, क्षेत्र सचिव श्री अयाचितुला लक्ष्मण राव के साथ आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक प्रांत के संगठनमंत्री ने मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला में तीनों प्रांतों के प्रमुख कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

योग दिवस-झलकियाँ

विद्या भारती विद्यालयों में हम शरीर, मन और आत्मा के पोषण में विश्वास करते हैं। हम योग के प्राचीन ज्ञान को अपनाने के लिए एक साथ आए हैं - आंतरिक शांति, संतुलन और समग्र कल्याण की ओर एक यात्रा।

उपलब्धियां

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में चयन

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मौदहा (हमीरपुर, उ.प्र.) के पूर्व छात्र ज्ञानेश त्रिपाठी का भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक पद पर चयन।

आईएएस में चयन

शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 40-डी, चंडीगढ़ के पूर्व छात्र धीरज ने प्रतिष्ठित IAS परीक्षा में 774वीं रैंक हासिल की है।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन -जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com

@VidyaBharatiIN

Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com

Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126